तेरी कुदरत मेरे खुदा

कैसे मैं बयान करूँ

तूने शेरों के मुँह को बन्‍द किया-2

तूने लाजार को भी जिन्‍दा किया।

तूने सूली पर चढ़ा तूने जान अपनी दी

पिफर जिन्‍दा हुआ तेरी कुदरत।